

11

part - II प्रायद्वीपीय पठार के अंतर्गत निम्नलिखित संरचनाएँ हैं -

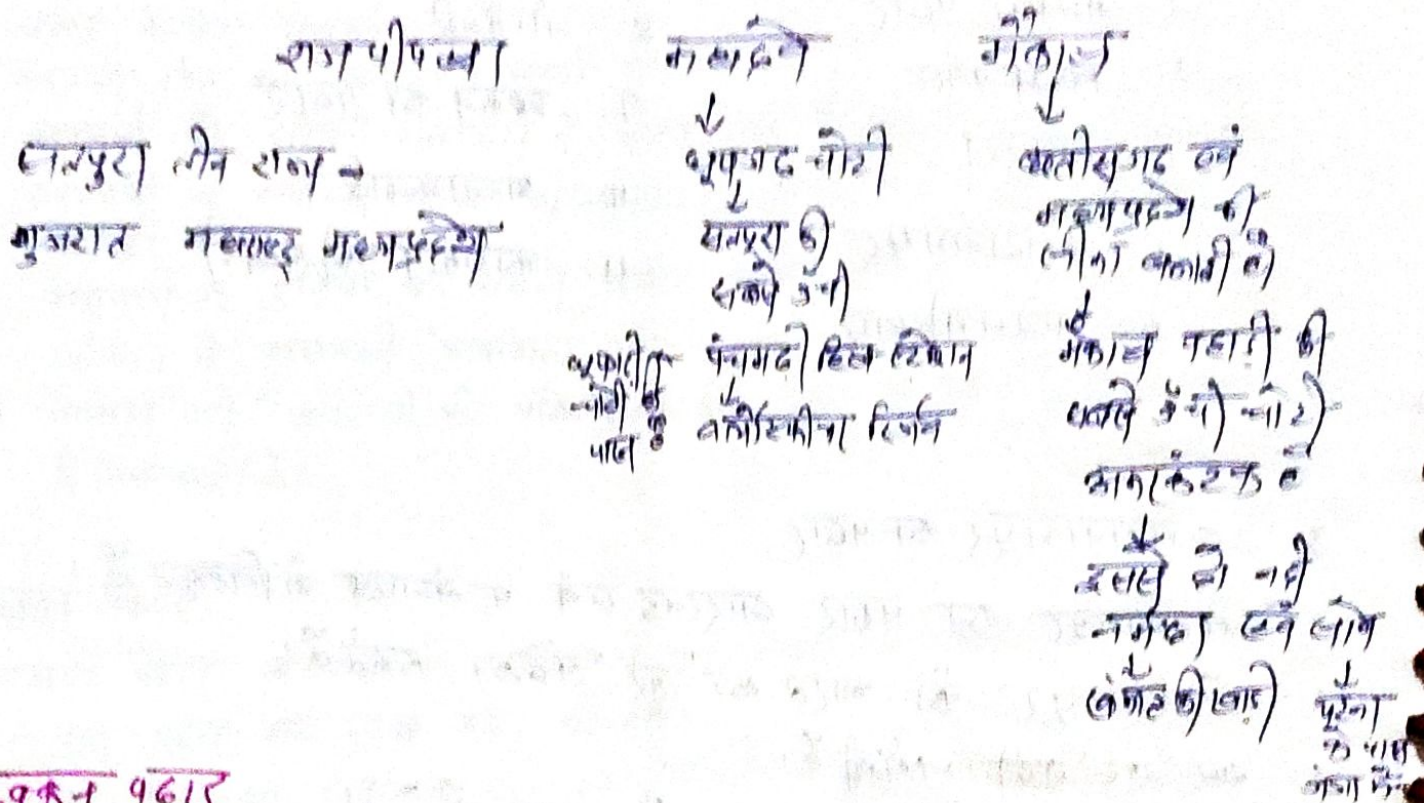
- | | |
|-----------------|------------------------|
| 1. अरावली | 7. पूर्वी घाट |
| 2. मालवा पठार | 8. नीलीजरी |
| 3. विंध्य पर्वत | 9. दक्कन का पठार |
| 4. सतपुरा | 10. अन्नामलाई |
| 5. धौलागिरि | 11. कारागिरि की पहाड़ी |
| 6. पश्चिमी घाट | |

3. धौलागिरि का पठार

- धौलागिरि का पठार आरखंड एवं पश्चिम बंगाल में विलीन है।
- धौलागिरि को भारत का "हर प्रद्वि" कहते हैं।
- सर 'सर' नदी जर्मनी है।
- राजमहल पहाड़ी धौलागिरि के उच्च श्रृंखला है।
- शिवालिक पठार - प्रायद्वीपीय पठार के राजमहल पहाड़ी का पूर्वी विस्तार है। बीच का भाग अवतलीन हो गया जिसे जंगल एवं खण्डपुर शिखरों ने भर दिया है जिसे राजमहल गारो गैंग भाग कहा जा सकता है।
- शिवालिक पठार पर गारो, खासी, जयन्तिया हैं के बावजूद भी एवं कि मित्र एवं रेगना आसक हैं जो राजमहल का ही हिस्सा है।
- शिवालिक पठार को सबसे ऊंची चोटी "नोकरेक" है जो "गारो" के अंतर्गत आता है।
- विंध्य पर्वत श्रेणी
- मालवा के दक्षिण है
- विस्तार पूर्व रूप से म.प. है।
- विंध्य पर्वत को पूर्व में पठार एवं दक्षिण पहाड़ी है।
- विंध्य पर्वत के दक्षिण में "नर्मदा" श्रेणी आती है।
- नर्मदा श्रेणी पहाड़ी के दक्षिण में सतपुरा पहाड़ी
- सतपुरा के दक्षिण में तापी श्रेणी

सतपुरा पर्वत

- सतपुरा भारत की एक मात्र एकलक पर्वत है
- सतपुरा पर्वत पश्चिम से पूर्व तक तीन पहाड़ियों के रूप में विस्तारित है



दक्कन पर्वत

- सतपुरा के दक्षिणी एवं पश्चिमी भाग के उत्तर में तथा पूर्वी भाग पर्वत के पश्चिम में
- दक्कन पर्वत मुख्य रूप से दक्कन ईंध से बना है।
बौना पर्वत

→ दक्कन पर्वत के अंतर्गत निम्न पहाड़ियों को शामिल किया जा सकता है

1. हरिश्चन्द्र पहाड़ी - महाराष्ट्र
- काकापर्वत पहाड़ी - महाराष्ट्र
- अजंठा पहाड़ी - महाराष्ट्र
- अविन्द्य पहाड़ी
- अविन्द्यगढ़ पहाड़ी - महाराष्ट्र

- दण्डकारण्य का पर्वत दक्कन पर्वत के अंतर्गत है।
- दण्डकारण्य पर्वत के दक्षिण में "काकरगढ़ पर्वत" नामा प्राप्त है जहाँ "दिन" नामा प्राप्त है।

महानदी बेसिन

- दण्डकारण्य पठार के उत्तर के छत्तीसगढ़ के महानदी नदी वहीं से निकलती है।
- यह धारीबुगा है समतल मैदान है जो धारीबुगा है जिले के नाम से है।
- यह छत्तीसगढ़ राज्य के दण्डकारण्य के उत्तर में तथा बसोनागपुर पठार के दक्षिण के स्थित है।
- यहाँ धान की खेती विश्व स्तर पर अधिक होती है अतः इसे "धान की कटोरा" भी कहते हैं।
- उत्तर प्रदेश में धान की कटोरा "चंडौली" जिले को कहता है।

